VISION IAS

www.visionias.in

19 JUL 2022

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2214)

Name of Candidate	Ishwar lal Gurjar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1295818.
Center	Dehli	Date	19 July 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** The ideals of 'Dhamma' by Ashoka present key learnings on public morality. Discuss. Also, state their relevance for public servants.

(150 words) 10

अशोक द्वारा प्रतिपादित 'धम्म' के आदर्श सार्वजनिक नैतिकता पर मुख्य शिक्षाएं प्रस्तुत करते हैं। विवेचना कीजिए। साथ ही, लोक सेवकों के लिए उनकी प्रासंगिकता को वर्णित कीजिए।

अशोक की धम्म की नीति – 'जीओ और जीने दो' के सिद्धान्त पर आधारित थी यह एक 'आचार संहिता' थी जिसमे सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, माता-पिता की सेवा करना, पशु वध न करना तथा सामाजिक समारोह मे अत्यधिक धन खर्च न करने की शिक्षाएँ शामिल थी।

लोक सेवको के लिए प्रासंगिकता

→ (1) लोक सेवक जन कल्याणकारी राज्य के अभिकर्ता होते है इसलिए उन्हें धम्म की शिक्षाओ का पालन अपने कर्तव्यो के निर्वहन मे करना चाहिए।

(जैसे) → आर्मस्ट्रोंग पोमे द्वारा जन सहयोग से 100 Km सडक निर्माण अशोक के धम्म राजकोष के उचित उपयोग की शिक्षा का अनुकरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ * पेड़-पौधों एवं वन्य जीव की रक्षा की शिक्षा अशोक की धम्म नीति भी देती है और आज पर्यावरणीय नैतिकता भी इसी की माँग करती है।

↳ (जैसे) → श्याम सुंदर पालीवाल (सरपंच) ने अपने गाँव पीपलांत्री में बेटी के जन्म पर 111 पेड़ लगाने की शुरुआत की जो आज 3 लाख पेड़ है

↳ * विदेश नीति के क्रियान्वयन में लोक सेवक अशोक की 'जिओ और जीने दो' का पालन पंचशील के रूप में करते है।

↳ * अशोक स्वयं को प्रजा का सेवक कहता था - "प्रजासुखे सुखं राजः" अतः आज भी लोक सेवकों को सेवक बनकर सेवा करनी चाहिए न कि स्वामी बनकर

अतः अशोक का धम्म आज भी प्रासंगिक है।

1. **(b)** Although bribery is illegal and counterproductive, public officials still demand bribes, and executives in the private sector remain tempted to pay up. In this context, discuss ways in which corporations can build a framework to eliminate the practice of offering kickbacks. **(150 words) 10**

हालांकि, रिश्वतखोरी गैर-कानूनी और हानिकर है, लेकिन सरकारी अधिकारी अभी भी रिश्वत की मांग करते हैं और निजी क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी इसका भुगतान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस संदर्भ में, उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकते हैं।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 'करप्शन परसेप्शन इंडेक्स' में भारत की रैंक -84 है जो गंभीर चिंता है।

रिश्वत के कारण
- उपभोक्तावादी मानसिकता
- व्यक्तिवाद एवं भौतिकवाद
- धन को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ना

(जैसे) - 'A' धनी लेकिन चरित्रहीन = सफल आदमी
'B' निर्धन लेकिन चरित्रवान = असफल मानव

↳ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून -1989 का शिथिल क्रियान्वयन eg- निलम्बन के बाद पुनः नौकरी पर रखना

↳ मूल्य आधारित शिक्षा का अभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ अत्यधिक विवेकाधिकार, कार्य संस्कृति का दूषित होना

उपाय - ① रिश्वत रोकथाम एक्ट के अनुसार रिश्वत देना एवं लेना दोनों अपराध है।

↳ ① ई-गवर्नेंस (इंटरनेट द्वारा सेवा वितरण) CCTV एवं ICT उपकरणों का व्यापक प्रयोग

↳ ② नागरिक अधिकार घोषणा पत्र में रिश्वत रोधी नियंत्रण टीम के हेल्पलाईन नम्बर देना

↳ ③ रोल मॉडल केस अध्ययन द्वारा प्रशिक्षण से अभिवृत्ति में बदलाव करना।

↳ ④ ह्यूमन इंटरफेरेंस को कम करना
जैसे - ई-ITR फाइलिंग, ई-अपील

आत्म चरित्र के निर्माण एवं कानूनों के अनुपालन से रिश्वत को रोका जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) It is argued that the Indian bureaucracy suffers from indecision and risk aversion. Do you agree? Justify with logical arguments.

(150 words) 10

यह तर्क दिया जाता है कि भारतीय नौकरशाही अनिर्णय और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से ग्रस्त है। क्या आप सहमत हैं? उचित तर्कों के साथ औचित्य सिद्ध कीजिए।

लालफीताशाही और अनावश्यक कानूनी रुकावटों को भारतीय नौकरशाही की औपनिवेशिक विरासत माना जाता रहा है।

अनिर्णय एवं जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के प्रमुख कारण

- "भारत में ईमानदार नौकरशाहों के प्रोत्साहन एवं पुरस्कार की कमी है" - द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग
- II ARC के इस बयान के अनुसार भारत में 'भ्रष्टाचार न्यूनतम जोखिम एवं अधिकतम लाभ का व्यवसाय बन गया है।'
- विवेकाधिकारों की अधिकता एवं कानूनी स्पष्टता के अभाव के कारण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- नीतिगत विफलता के कारण योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाता
- राजनीतिक दबाव, सिफारिश कल्चर के कारण प्रशासन का राजनीतिकरण हुआ
- पदोन्नति, स्थानांतरण एंव विशेषाधिकारों के लोभ में राजनीतिक चापलूसी
- नैतिक संहिताओं के अभाव के कारण

विपक्ष में तर्क - हालाँकि यह मानना की सम्पूर्ण नौकरशाही अनिर्णय एंव जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से ग्रस्त है तो गलत है।

(eg) - दीपी अनुपम (IAS) द्वारा खाद्य मिलावट के 6000 मामले दर्ज करना

(eg) - समित शर्मा (IAS) द्वारा निःशुल्क दवा योजना का क्रियान्वयन हो या दिव्या देवराजन तथा मंजु राजपाल द्वारा आदिवासियों की समस्या समाधान जैसे उदाहरण भी हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Although open and transparent governance has gained ground, do you agree with the view that there is merit in withholding some information from people? Justify your arguments with examples.

(150 words) 10

हालांकि, खुले और पारदर्शी शासन ने लोकप्रियता हासिल कर ली है, फिर भी क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लोगों से कुछ जानकारी छिपाने में ही भलाई है? उदाहरणों के साथ अपने तर्कों की पुष्टि कीजिए।

"RTI सुशासन के द्वार की कुंजी है" - II ARC

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के इस कथन से समझा जा सकता है कि सूचना का लोकतंत्र में कितना महत्व है।

गोपनियता के पक्ष में तर्क -

- RTI Act 2005 की धारा - 8 एवं 9 भी सूचना की गोपनियता का प्रावधान करती है।
- ऑफिसल सिक्रेट एक्ट - 1923 भी देश की एकता अखण्डता एवं विदेशी सम्बन्धों वाली जानकारी को गोपनीय रखने का प्रावधान करता है।
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार सम्बंधित

मामलों जैसे पेटेन्ट एक्ट - 2005 एवं कॉपीराइट एक्ट के तहत ऐसी जानकारी जनहित में नहीं देनी चाहिए जो व्यावसायिक हित का हनन करे।

(क) वित्तीय बाजार एवं शेयर मार्केट सम्बंधी जानकारी भी नहीं देनी चाहिए।

(ख) न्यायपालिका के संवेदनशील मामले हो या विदेशी सौदे जो संवेदनशील हो।

गोपनीयता के विपक्ष में तर्क

→ जनता को जानने का अधिकार है।
→ सूचना नागरिक के सशक्तिकरण का माध्यम है।
→ पारदर्शिता, जवाबदेहिता के लिए जरूरी

अतः कुछ संवेदनशील जानकारी के अतिरिक्त अन्य सूचना को जनता से नहीं छुपाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** While it may seem restrictive, anonymity is one of the greatest strengths of the civil services. Comment in the context of growth of social media in recent times. **(150 words) 10**

हालांकि, यह प्रतिबंधात्मक प्रतीत हो सकता है किंतु अनामिकता लोक सेवाओं की सबसे बड़ी ताकत है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया के विकास के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।

अनामिकता से आशय लोकसेवकों को अपनी पहचान को उजागर करने या अपने कार्यों एवं उपलब्धियों का प्रचार करने से बचने की प्रवृति।

जैसे - रॉ के संस्थापक R.N. कॉव

or

P.N. हक्सर द्वारा पद्म भी नहीं लेना

अनामिकता के लाभ →
- पहचान की चाहत नहीं होगी
- राजनीतिक कार्यपालिका से टकराव नहीं होगा।
- व्यक्तिपूजा (नायकवाद) से बचना
- दबाव मुक्त कार्य संस्कृति
- फैन या अनुयायियों के लोकप्रियता से प्रेरित काम न करना

जैसे - फेक एनकाउंटर नहीं करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सोशल मीडिया का प्रभाव

सकारात्मक

- लोक सेवकों का जुड़ाव जनता से हुआ
  eg- फेसबुक की मदद से आर्मस्ट्रोंग पामे ने 40 लाख रुपये जुटाकर पिपुल्स रोड बनाई
- लोक सेवकों के कार्यों से प्रेरणा
  eg- P. नरहरि द्वारा फेसबुक द्वारा सुनवाई

नकारात्मक

- लोकसेवकों द्वारा दुरुपयोग
  eg- लोकप्रियता बढ़ाने वाले कार्य
- अनावश्यक दबाव के कारण कार्य निष्पादन बाधित हुआ
- लोकसेवकों में आपसी टकराव होना
- लोकसेवकों के स्थानांतरण एवं कार्यवाही पर दबाव

अत: मीडिया के प्रयोग ने अनामिकता में रचनात्मक बदलाव किए लेकिन लोकसेवक को अनामिकता का पालन करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** A legally enforceable code of ethics for civil servants, which not only prescribes the ethical values they must display in their public life but also provides sanctions for violations of these values, is the need of the hour. Discuss. **(150 words) 10**

लोक सेवकों के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य एक नीतिपरक आचार संहिता, जो न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में प्रदर्शित होने वाले नैतिक मूल्यों को निर्धारित करती हो, बल्कि उन मूल्यों के उल्लंघन के लिए दण्ड भी निर्धारित करती हो, वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

"भारत में आचरण संहिताएँ पूरी तरह से विफल रही इसलिए अब हमें नैतिक संहिताओं की ओर बढ़ना चाहिए" II ARC

नीतिपरक आचार संहिता की आवश्यकता क्यों

(1) भारत में लोकसेवक कानूनी रूप से उत्तरदायी नहीं है इसलिए उन पर विधिक कार्यवाही नहीं होती।

(2) जनता के प्रति सीधे जवाबदेही नहीं है

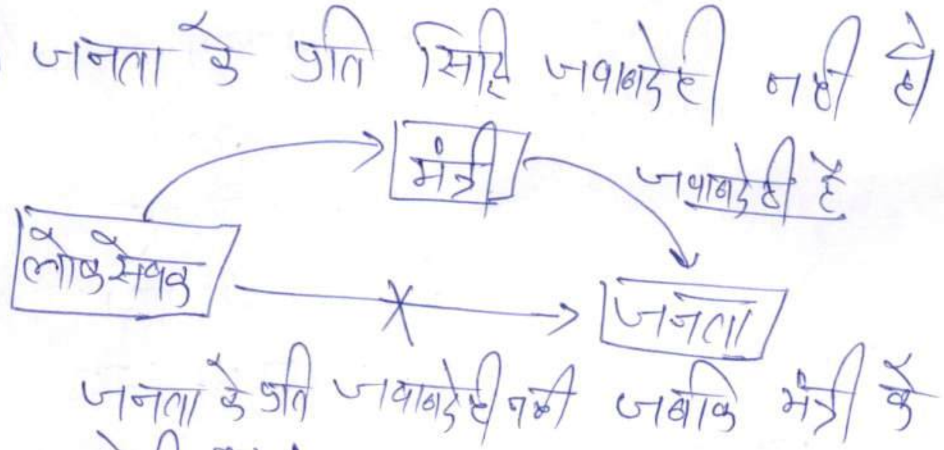

जनता के प्रति जवाबदेही नहीं जबकि मंत्री के प्रति जवाबदेही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) जवाबदेही के अभाव में भ्रष्टाचार एवं भाई भतीजेवाद जैसी समस्याएँ है।

(5) कानूनी रूप से लागू नीतिपरक आचार संहिताएँ प्रशासन में कुशलता, गुणवत्ता, प्रभावशीलता और मितव्ययता को बढ़ावा देगी।

(7) प्रशासकों को अपने गलत निर्णय एवं कार्य पर दण्ड के प्रावधान से कार्यों के क्रियान्वयन में गुणवत्ता व तेजी आयेगी।

आगे की राह - कानूनी रूप से लागू आचरण संहिताओं से निम्न चुनौतियाँ भी उत्पन्न होगी
- जोखिम प्रवृति कम होगी
- पहलकारी भावना कम होगी
- लालफीताशाही बढ़ेगी
- अनिर्णय बढ़ेगा

अतः सर्वप्रथम हमें नैतिक संहिताओं को अपनाते हुए प्रशासन में ICT का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Examine the issue of foreign aid in global politics from an ethical perspective. **(150 words) 10**

वैश्विक राजनीति में विदेशी सहायता के मुद्दे का नैतिक दृष्टिकोण से परीक्षण कीजिए।

विदेशी सहायता सरकार या अन्य नागरिक संगठनों (NGO, इत्र) को अन्य विदेशी राष्ट्रों एवं वैश्विक संस्थाओं से प्राप्त सहायता है। जो देश की विदेश नीति, वैश्विक कूटनीति एव सम्बंधो को प्रभावित करती है।

नैतिक दृष्टिकोण - (1) सम्प्रभुता का प्रश्न

- भारत द्वारा वैश्विक सहायता प्राप्त करने से सहायता प्रदाता की शर्तों के पालन से बंध जाते है। Eg- IMF के सुधारों की शर्तें

(2) गैर राज्य कारको की शक्ति मे बढोतरी होती है जो देश की सम्प्रभुता एव सुरक्षा के लिए चुनौती होगी

(जैसे) - NGO को चीन द्वारा सहायता

(5) देश की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती (जैसे) - नक्सलवाद का वित्तपोषण

(6) विकास कार्यों में बाधा - पर्यावरणीय नैतिकता एवं न्याय संगठनों द्वारा परियोजनाओं का विरोध करना (जैसे) - परमाणु संयंत्र का विरोध

(7) मानवाधिकार के मुद्दों पर राज्य की नीतियों को प्रभावित करना

(8) विदेश नीति पर प्रभाव पड़ना

वैश्विक सहायता यदि सशर्त होती है तो देश को अपने राष्ट्रीय एवं सामरिक हितों को ध्यान में रखते हुए लेना

—x—

4. **(b)** There is a need for an effective climate governance structure within the broad framework of corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के व्यापक ढांचे के भीतर एक प्रभावी क्लाइमेट गवर्नेंस संरचना की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य अपने व्यवसाय में पारदर्शिता, जवाबदेहिता जैसे मूल्यों को समावेशित करना

जैसे- कम्पनी द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) का पालन करना

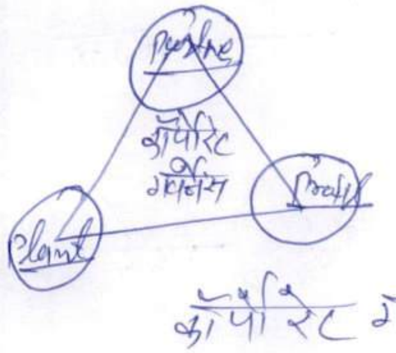

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में क्लाइमेट गवर्नेंस को शामिल कर व्यवसाय की पर्यावरणीय जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है।

क्लाइमेट गवर्नेंस — व्यवसाय द्वारा पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों को निभाना
(i) उत्सर्जन कमी करना
(ii) हरित क्लियरिंग कैडिंग
(iii) ग्रीन फंडिंग
(iv) नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के साथ क्लाइमेट गवर्नेंस के लाभ

① जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में सरकारों की मदद
eg- अर्थ फंड जोसेफ बेजोस

② पर्यावरण न्याय को लागू

③ सतत एवं धारणीय विकास

अतः क्लाइमेट गवर्नेंस के फ्रेमवर्क को अपनाना चाहिए।

———x———

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** "A well-developed Emotional intelligence is not only an instrumental tool in accomplishing goals, but has a dark side as a weapon for manipulating others by robbing them of their capacity to reason." Analyse.
(150 words) 10

"एक सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, अपितु इसका एक नकारात्मक पक्ष यह है कि यह दूसरों की तर्क करने की क्षमता को समाप्त करके उन्हें धोखा देने के लिए एक हथियार भी है।" विश्लेषण कीजिए।

"व्यक्ति की सफलता में भावनात्मक बुद्धिमता का योगदान 80% है - डेनियल गोलमैन

उक्त कथन EQ (भावनात्मक बुद्धिमता) के महत्व को बताता है जो व्यक्ति की भावनाओं को समझने, नियंत्रित करने एवं निर्देशित करने की शक्ति है।

लक्ष्यों को पूरा करने के उपकरण के रूप में

→ सामाजिक कौशल को बढ़ाती है।
eg - बेहतर सम्प्रेषण कला, वाद-विवाद से बचना

→ व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाती है।
eg - अच्छे दोस्त, बेहतर सौदेबाजी, बहुमुखी

→ व्यावहारिक बनाती है eg टीम भावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मनोवैज्ञानिक क्षमता बढ़ाने में मददगार
→ कठिन हालातों में समन्वय, धैर्य
→ समस्या समाधान में प्रभावी

नकारात्मक पक्ष – इसमें व्यक्ति अपना लाभ देखता है अतः दूसरों की अनदेखी

① तार्किकता (IQ) की अनदेखी

② यह अधीनस्थों में रचनात्मकता को कम करती है eg- केवल आज्ञापालन

③ पहलकारिता को कम करती है।

हालाँकि भावनात्मक बुद्धिमता से हम टीमभावना, समन्वय, प्रबंधन, संवाद, नियंत्रण को बेहतर कर सकते हैं।

—— x ——

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The opportunities and threats created by emerging technologies like Artificial Intelligence (AI) require leaders across business, government and civil society to understand the importance of values and ethics in technological development. Elucidate. **(150 words) 10**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न अवसरों और खतरों ने यह आवश्यक बना दिया है कि व्यवसाय, सरकार और नागरिक समाज के अग्रणी व्यक्ति तकनीकी विकास में मूल्यों एवं नैतिकता के महत्व को समझें। स्पष्ट कीजिए।

कृत्रिम बुद्धिमता (AI) चौथी औद्योगिक क्रांति की प्रमुख तकनीक है जो मशीन को भी मनुष्य की भाँति सोचने, निर्णय निर्माण में सहायक बनाती है।

(जैसे) - एलेक्सा (वॉइस रसीसेन्ट है)

अवसर
- → सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति
- → मशीन लर्निंग में क्रांति
- → कम्प्यूटर विज्ञान में बदलाव

खतरे
- → भावनात्मक शून्यता की स्थिति
- → मानवीय रिश्तों में बदलाव
- → जीवन शैली पर नकारात्मक प्रभाव
- → नैतिक व्यवस्था में बदलाव
- → मनुष्य साधन, तकनीक साध्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तकनीकी विकास में मूल्यों एवं नैतिकता का महत्व

→ ① मनुष्य व्यवस्था का साध्य है अतः मनुष्य का प्रयोग साधन के रूप में न हो।

→ ② मनुष्यता का सम्मान हो।

→ ③ व्यक्ति की निजता एवं भावनात्मकता का सम्मान हो।

→ ④ तकनीक का वर्चस्व ना हो मनुष्य की सहायक बनकर कार्य करे

→ ⑤ मानवीय रिश्तों की गर्मजोशी कायम रहे

अतः तकनीक के प्रयोग से पूर्व नैतिकता के महत्व को रेखांकित करना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "All persons ought to endeavour to follow what is right, and not what is established." — Aristotle **(150 words) 10**

"सभी व्यक्तियों को जो सही है उसका पालन करने का प्रयास करना चाहिए, न कि जो स्थापित है उसका पालन करना चाहिए।" - अरस्तू

अरस्तु के इस कथन का आशय है हमे भेड़चाल चलने की बजाय वो काम करना चाहिए जो सही है अर्थात जो हमारा स्वधर्म, कर्तव्य है वो नही जो बाकि दुनिया कर रही है।

(जैसे) - महात्मा गांधी द्वारा 20वी सदी में चारों ओर हिंसक घटनाओ से अप्रभावित रहते हुए भारत की आजादी का अहिंसक मार्ग खोजना

प्रासंगिकता - लोक सेवा मे नवाचार का अभाव है, पहलकारी कदमो एवं नीतियो का अभाव है अतः इस कथन का अनुकरण रचनात्मक समाधान खोजने के लिए किया जा सकता है।

(जैसे) - T.N. शेषन द्वारा चुनाव सुधार लागु करना तथा मुख्य चुनाव आयुक्त पद की गरिमा बनाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

* तकनीकी दौर में सोशल मीडिया की सूचना नदी में बह बिना आनामिकता के मूल्य के साथ अपने काम में सर्वोच्च करना

* राजनीतिक दबाव एंव लोकप्रिय मांगों की बजाय समस्या के दीर्घकालीन समाधान तलाशने का प्रयास करना
  - जैसे- कैलाश सत्यार्थी के आन्दोलन ने 85 हजार बच्चों को शोषण से मुक्त कराया

अतः बिना अंधानुकरण किए स्वंय मूल्यों से भरा जीवन जीने हेतु उक्त कथन प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "It is compassion, the most gracious of virtues, which moves the world." — Tiruvalluvar, Kural (150 words) 10

"करुणा, जो सबसे उदार सद्गुण है, विश्व को संचालित करती है।" - तिरुवल्लुवर, कुरल

"करुणा बुद्धिमता का सर्वोच्च रूप है" - बुद्ध

तिरुवल्लुवर, कुरल एंव बुद्ध के करुणा सम्बंधी यह विचार मनुष्य मात्र को सभी के प्रति करुणा बने रहने की सीख देते है।

आशय - करुणा वह सद्गुण है जिस पर बाकि सभी सद्गुणों का महत्व टिका है

जैसे - 'A' अधिकारी = बुद्धिमान लेकिन करुणाहीन
'B' अधिकारी = गैर अर्थकुशल लेकिन करुणावान

उपर्युक्त दोनों ही अधिकारी उपयोगी नही है क्योंकि जोन बुद्धिमता करुणा के बिना खतरनाक होगी वहीं करुणा बुद्धिमता के बिना महत्वहीन

अतः करुणा द्वारा अन्य सद्गुणों के महत्व को बढावा दिया जा सकता है।

जैसे - मोहम्द शरीफ - चाचा द्वारा करुणा के कारण ही 25 हजार लाशों का अंतिम संस्कार किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रासंगिकता // लोकसेवक की प्रतिभा यदि करुणा से मिल जाए तो वो चमत्कारिक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है।
Eg- P. नरहरि द्वारा दिव्यांगों हेतु सुगम्य भारत जैसी रणनीति

(1) करुणा → समानुभूति को बढ़ाकर वंचित वर्गों जैसे - निर्धन, दिव्यांग, वृद्धजन के प्रति समर्पण का भाव जगा सकती है।
(जैसे) - मदर टेरेसा द्वारा कुष्ठ रोगियों के सेवा करना।

(2) करुणा के कारण ही कोविड-19 जैसी महामारी से विश्व उभर पाया। करुणा व्यक्ति को उदार बनाती है
जैसे - अजीम प्रेमजी द्वारा कोविड के दौरान हर रोज 22 करोड़ रूपये का दान दिया

(3) भारत की वैक्सीन मैत्री एवं दुनिया को अनाज भेजना ही करुणा से प्रेरित कदम था।

अतः करुणा सुन्दर विश्व के निर्माण का आधार है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." — Mahatma Gandhi **(150 words) 10**

"मैं लोकतंत्र को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" - महात्मा गांधी

॥ जमुरियत ~~वो~~ वो तर्ज-ए-हुकुमत है
जहाँ सिर गिना करते है तोला नही
करते॥ - इकबाल

लोकतंत्र के बारे मे गांधी जी और इकबाल के नजरिए की तुलना द्वारा हम इस उद्धरण का सारांश समझ सकते है।

आशय → गांधी जी के अनुसार लोकतंत्र का उद्देश्य पंक्ति के आखिर मे खड़े व्यक्ति को भी उतना ही महत्व देने से है जितना की सक्षम व्यक्ति को

eg- अन्त्योदय → सर्वोदय

अन्त्योदय = सबसे अंतिम वंचित व्यक्ति का विकास

सर्वोदय = सभी का, सभी तरह से विकास होना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रासंगिकता ① यह कथन जनकल्याणकारी राज्य का उद्देश्य नागरिक सशक्तिकरण मानता है।

② लोक सेवक द्वारा किए जाने वाले कार्यों को इस कथन द्वारा मार्गनिर्देशन प्राप्त होगा (जैसे) - दिव्या देवराजन (IAS) द्वारा आदिवासी क्षेत्र में रहकर उनके लिए काम करना

③ यह कथन क्रोनी कैपिटलिज्म, भ्रष्टाचार, लालफीताशाही राजनीतिक दुरुपयोग पर रोक लगाता है।

④ अमर्त्य सेन भी कहते है कि लोकतंत्र लोगों की क्षमता निर्माण का माध्यम है।

अत: इस कथन की व्यापकता लिंकन के लोकतंत्र जनता का, 'जनता के द्वारा,' जनता के लिए शासन का अगला कदम है जहाँ सुशासन नैतिक शासन में बदल जाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You come across a news report of a state 'X', which has a considerable number of school going children suffering from malnourishment. To overcome this, the state recently rolled out a policy to introduce eggs in mid-day meals in schools. However, some parents, teachers and a few religious groups have protested against the move. The report states that the Minister of Education of state 'X' has assured the public of a reversal in the policy. You are aware that this may be because elections are approaching in the state and the party in power may not want to antagonise a particular religious group, which is its key supporter.

In light of this, answer the following:

(a) Highlight the stakeholders in the given case study.

(b) Examine the options available in the given situation.

(c) According to you, what is the best course of action and why?

(20)

आपको एक राज्य 'X' के बारे में एक न्यूज रिपोर्ट प्राप्त होती है, जिसमें काफी संख्या में स्कूल जाने वाले बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं। इस पर नियंत्रण प्राप्त करने हेतु, उक्त राज्य ने हाल ही में स्कूलों में मध्याह्न भोजन में अंडे को शामिल करने की एक नीति लागू की है। हालांकि, कुछ माता-पिता व शिक्षकों और कुछ धार्मिक समूहों ने इस कदम का विरोध किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य 'X' के शिक्षा मंत्री ने जनता को नीति में बदलाव का आश्वासन दिया है। आप जानते हैं कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि राज्य में चुनाव नजदीक आ रहे हैं और सत्तारूढ़ दल एक विशेष धार्मिक समूह जोकि पार्टी का प्रमुख समर्थक है, उसका वो विरोधी नहीं बनना चाहती है।

इसके आलोक में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए।

(b) दी गई स्थिति में उपलब्ध विकल्पों का परीक्षण कीजिए।

(c) आपके अनुसार, सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या है और क्यों?

उपर्युक्त केस अध्ययन व्यक्तिगत नैतिकता (खाने की स्वतंत्रता) और राज्य की विधिक नैतिकता (कुपोषण की समाप्ति) के मध्य द्वन्द्व को रेखांकित करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) **प्रमुख हितधारक**

- कुपोषित बच्चे / पोषण का अधिकार
- * माता-पिता
- * धार्मिक समूह / अनुच्छेद - 25 एवं 26 की धार्मिक स्वतंत्रता
- * शिक्षा मंत्री
- * शिक्षक वर्ग
- * मीडियाकर्मी

(b) उपलब्ध विकल्प एवं उनके लाभ - हानि

विकल्प - 1 राज्य तत्काल नीति को वापस ले ले।

→ गुण - (i) पार्टी को आगामी चुनाव में फायदा
(ii) जनता के विरोध की सुनवाई
सरकार के प्रति संवेदनशील छवि
(iii) अनावश्यक धार्मिक विवाद से
बचना संभव

→ दोष - (I) बच्चों के कुपोषण का समाधान नहीं
(II) नीतिगत हताशा एवं असफलता
(III) सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प-2 सरकार किसी भी कीमत पर अपनी नीति पर अडिग रहे और इसे लागू करने का हर संभव प्रयास करें।

↳ गुण - मजबूत एवं प्रतिबद्ध सरकार की छवि
* बच्चों के पोषण की पूर्ति होगी
* नीतिगत सफलता
* जनता में सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश → अनावश्यक विरोध नहीं

↳ दोष - * यह लोकतंत्र की चर्चा की संस्कृति के खिलाफ है।
* विरोध और बढ़ सकता है जिसका नुकसान सरकार को चुनावों में होगा।
* धार्मिक समूहों की मांग से असंतोष
eg- कर्नाटक हिजाब विवाद
* यह Right to choose के खिलाफ है।
* जबरदस्ती का क्रियान्वयन सफल नहीं
eg- बच्चों की ड्रापआउट दर में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प -3 मध्याह्न भोजन में अंडे के प्रयोग को स्वैच्छिक बनाते हुए व्यापक अनुनय द्वारा सहमति बनाना।

गुण - * तात्कालिक विरोध से बचाव होगा

* स्वैच्छिक बनाने से जिनकी मान्यता होगी वो नहीं उपयोग करेंगे लेकिन अन्य को लाभ (अधिकतम लोगों का अधिकतम लाभ)

* धार्मिक स्वतंत्रता एंव मूल अधिकार का उल्लंघन नहीं होगा।

* सरकार को तात्कालिक चुनावी हानि नहीं होगी

(c) सबसे उपयुक्त कार्यवाही

जैसा कि "राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा पर संसदीय समिति की भी सिफारिश है कि मध्याह्न भोजन में अंडे, मूंगफली आदी का प्रयोग किया जाए लेकिन अंडों के प्रयोग से असहमति रखने वालों को वैकल्पिक पोषण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- मूंगफली एंव अन्य सूखे मेवे की मात्रा दोगुना प्रदान की जाए। इस सुझाव को अपनाया जा सकता है।

→ # विरोध कर रहे शिक्षकों को अनुनय एंव सामूहिक कार्यशाला द्वारा यह समझाना की एक कुपोषित बच्चों को जीवन में किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

→ # माता-पिता को आशा सहयोगिनी एंव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा समझाना।

→ # धार्मिक समूह के नेताओं से बात करते हुए इसे बच्चों के कल्याणकारी कदम के रूप में देखने का आग्रह न कि धार्मिक मान्यताओं पर हमला।

→ # अन्त मे NFHS-5 के आंकड़ो को ध्यान मे रखते हुए (जिनके अनुसार 5 वर्ष से छोटे - 35% बच्चे स्टंटिंग का शिकार है) इस नीति का प्रभावी क्रियान्वयन करना क्योंकि पोषित नागरिक ही देश को पल्लवित करता है।

8. Capital punishment, or "death penalty," is an institutionalized practice designed to result in deliberately executing persons in response to actual or supposed misconduct and following an authorized, rule-governed process to conclude that the person is responsible for violating norms that warrant execution. Punitive executions have historically been imposed by diverse kinds of authorities, for an expansive range of conduct, political or religious beliefs and practices, for a status beyond one's control, or without employing any significant due process procedures. Punitive executions also have been and continue to be carried out more informally, such as by terrorist groups, urban gangs, and mobs. For centuries in Europe and America, discussions have focused on capital punishment as an institutionalized, rule-governed practice of modern states and legal systems governing serious criminal conduct and procedures. In light of the above debate of capital punishment, answer the following questions:

(a) What are the arguments in favour of and against having capital punishment in the criminal justice system?

(b) Do you think capital punishment has a place in modern civilised society? Examine in the context of moral implications involved in awarding it.

(20)

फांसी या 'मृत्युदंड', एक संस्थागत प्रक्रिया है, जिसे वास्तविक या कथित कदाचार की प्रतिक्रिया में जानबूझकर व्यक्तियों को प्राणदंड देने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके लिए एक प्राधिकृत, नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है ताकि इस नतीजे पर पहुँचा जा सके कि व्यक्ति उन मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार है जो प्राणदंड का प्रावधान करते हैं। मृत्युदंड, ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रकार के अधिकारियों द्वारा आचरण, राजनीतिक या धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला हेतु, किसी के नियंत्रण से परे स्थिति के लिए या किसी भी महत्वपूर्ण स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भी दिया जाता रहा है। मृत्युदंड का विभिन्न समूहों द्वारा अधिक अनौपचारिक रूप से पालन किया जाता है और वर्तमान में भी इसे जारी रखा गया है, जैसे कि आतंकवादी समूहों, शहरी गिरोहों और भीड़ द्वारा। यूरोप और अमेरिका में सदियों से जारी चर्चाओं ने आधुनिक राज्यों के संस्थागत व नियम-आधारित प्रक्रिया तथा गंभीर आपराधिक आचरण और कार्रवाईयों को नियंत्रित करने वाली कानूनी व्यवस्था के रूप में मृत्युदंड पर ध्यान केंद्रित किया है। मृत्युदंड के संदर्भ में, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड के पक्ष और विपक्ष में तर्क क्या हैं?

(b) क्या आपको लगता है कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड का कोई स्थान है? इसे दिए जाने में शामिल नैतिक निहितार्थों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

॥ मनुष्य साध्य है साधन नहीं इसलिए नैतिक व्यवस्था मनुष्य के लिए होनी चाहिए न कि मनुष्य नैतिक व्यवस्था के लिए॥ - इमैनुएल कांट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर्तव्यवादी नीतिशास्त्री कांट के उपर्युक्त कथन के आलोक में मृत्युदण्ड प्रणाली की नैतिक व्याख्या / मूल्यांकन किया जा सकता है।

मृत्युदण्ड के पक्ष में तर्क

→ समाज की व्यवस्था में जघन्य अपराधों एंव अस्तित्व के संकट जैसे अपराधों के लिए मृत्युदण्ड अनिवार्य है।
जैसे - ओसामा बिन लादेन का कृत्य

→ आपराधिक मनोविज्ञान के अनुसार आदतन अपराधियों जिनका सुधार नहीं जा सकता उन्हें मृत्युदण्ड देना चाहिए। eg दर्जनों बच्चियों के रेप/हत्या का अपराधी

→ विकासवादी नीतिशास्त्री सैमुएल एलेक्जेण्डर के अनुसार समाज के अस्तित्व के लिए कुछ क्रूर लोगों को मृत्युदण्ड जायज है।

→ सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार दुर्लभतम मामलों में जहाँ अपराध अमानवीय एंव जघन्य हो वहाँ मृत्युदण्ड देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मृत्युदण्ड के विपक्ष में तर्क

> मनुष्य साध्य है इसलिए कोई भी व्यवस्था उसको सुधारने के लिए हो; उसे समाप्त करने के लिए नहीं।

> गांधी जी के अनुसार क्रूर से क्रूर अपराधी में भी सुधार की संभावना होती है यदि उसे परिवेश प्रदान किया जाए।
(Eg- घृणा पाप से करो पापी से नहीं)

> अपराधी को अपराधी बनाने में समाज की परिस्थितियाँ जिम्मेदार है इसलिए सुधारा जाना चाहिए न की मृत्युदण्ड

> मृत्युदण्ड से अपराधी का जीवन एक झटके में समाप्त हो जाता है उसे पश्चाताप या अफसोस नहीं होता।

> मृत्युदण्ड आसान सजा है। कठोर कारावास एवं उम्रकैद से व्यक्ति में पश्चाताप एवं अधिक मानसिक पीड़ा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) आधुनिक सभ्य समाज और मृत्युदण्ड के निहितार्थ

↳ # आधुनिक शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानव केन्द्रित है इसलिए मृत्युदण्ड को सहज सजा की बजाय बहुत दुर्लभतम मामलों में प्रयोग में लेना चाहिए।

↳ # सुधारगृहों एवं मनोवैज्ञानिक प्रयोग अधिक हो। व्यक्ति में मृत्युदण्ड के भय से अधिक अंतरात्मा का भय हो।

↳ # अनेक यूरोपीय देशों में मृत्युदण्ड पर रोक है जबकि भारत में इसकी अनुमति है।

↳ # मानवता बनाम सामाजिक व्यवस्था के द्वंद्व में समन्वय हो तथा इसका प्रयोग न्यूनतम हो

अतः मृत्युदण्ड कोई समाधान नहीं है यह सुधार के सारे रास्ते बंद कर देता है लेकिन फिर भी इसका सांकेतिक / मनोवैज्ञानिक भय है इसलिए इसका प्रयोग दुर्लभ रूप से हो और विधि की सम्यक प्रक्रिया के पालन से हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. An Indian company is active in the telecom sector and is the majority owner of a telecom company based in other geographies across the world. At one of its European headquarters, there emerged whistleblowing allegations that a local executive was bribing local government officials in order to obtain telecom cabling and construction contracts from the local government. The kickbacks were allegedly paid through a third-party consultant. More specifically, there were allegations that the executive, the third party, and a government official had some sort of business interest in common, possibly shareholdings in a limited company or the joint ownership of an undisclosed asset. The company is thought to be particularly close to the ruling dispensation in India and the news has now raised pressure to put its business operations in India under scanner as well. In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical challenges in the given case?

(b) Identify the different stakeholders and their interests.

(c) As the CEO of the firm, how would you respond to the given situation? **(20)**

एक भारतीय कंपनी दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय है और विश्व भर के अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित एक दूरसंचार कंपनी के अधिकांश शेयरों की स्वामी है। इसके यूरोपीय मुख्यालयों में से एक में, यह आरोप लगाया गया है कि एक स्थानीय कार्यकारी अधिकारी स्थानीय सरकार से दूरसंचार केबल बिछाने और निर्माण अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दे रहा था। कथित तौर पर एक तीसरे पक्ष के सलाहकार के माध्यम से घूस दी गई थी। विशेष रूप से, ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि कार्यकारी अधिकारी, तीसरे पक्ष और एक सरकारी अधिकारी के बीच किसी प्रकार का साझा व्यावसायिक हित, संभवतः एक सीमित कंपनी में शेयरधारिता या किसी अज्ञात संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व विद्यमान है। उक्त कंपनी को विशेष रूप से भारत में सत्तारूढ़ व्यवस्था के निकट माना जाता है और इस आरोप ने अब इसके भारत में संचालित व्यापार को भी जांच के दायरे में लाने का दबाव बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिये गये प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां क्या हैं?

(b) विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(c) उक्त कंपनी के एक सी.ई.ओ. के रूप में, आप दी गई स्थिति में किस प्रकार प्रत्युत्तर देंगे?

उपर्युक्त केस अध्ययन में कॉर्पोरेट गवर्नेंस एवं व्यावसायिक नैतिकता से सम्बंधित मुद्दों को रेखांकित करते हुए, भ्रष्टाचार एवं नैतिकताविहीन व्यापार की समस्या को भी शामिल किया गया है।

(a) नैतिक चुनौतियाँ
- व्यावसायिक हित बनाम कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मूल्य
- क्रोनी कैपिटलिज्म एवं अस्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा का मुद्दा
- प्रशासनिक भ्रष्टाचार
- पक्षपाती प्रशासन

(b) हितधारक — उनके हित

(I) भारतीय कम्पनी → (i) अन्तर्राष्ट्रीय साख का मुद्दा
(ii) प्रतिष्ठा एवं कानूनी कार्यवाही

(II) स्थानीय कार्यकारी अधिकारी → (i) कम्पनी के अधिकतम हित एवं अवैध अनैतिक कार्य
(ii) व्यक्तिगत महत्वकांक्षा बनाम सत्यनिष्ठा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) स्थानीय सरकारी अधिकारी → * प्रशासनिक सत्यनिष्ठा बनाम व्यक्तिगत लाभ

* सार्वजनिक कर्तव्य एवं लाभ आकांक्षा

(iv) तीसरा सलाहकार पक्ष → * बिजनस एथिक्स
* नैतिक सिद्धान्त
* अन्तरात्मा का संकट

(c) कम्पनी के CEO के रूप में मेरी प्रतिक्रिया

→ * एक कम्पनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कम्पनी के हित मेरे लिए सर्वोपरि होंगे लेकिन जैसा कि गांधी जी कहते है कि नैतिकता विहीन व्यापार पाप होता है अतः मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज के साथ इस पर प्रतिक्रिया दूंगा।

→ * सबसे पहले मैं यह जाँच करूंगा कि इस मुद्दे में कितनी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवश्यक है। यदि मैं यह पाता हूँ कि केवल खिलौने के अनुबंध हेतु घूस दी गई है तो सबसे पहले तात्कालिक रूप से सम्बंधित स्थानीय कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ विभागीय / आन्तरिक कार्यवाही कमेटी का गठन करूंगा।

↳ ⊛ उपर्युक्त अनुबंध की जाँच कराऊँगा एवं कुछ भी गलत पाए जाने पर उसे रद्द करूंगा ताकि इस अनुबंध के गलत प्रयोजन को अस्वीकार किया जाए।

↳ ⊛ कम्पनी की जाँच के दबाव का सामना भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ करूंगा तथा जाँच एजेंसियों का पूरा सहयोग करूंगा।

↳ ⊛ कम्पनी की साख सबसे महत्वपूर्ण है इसलिए अगर कहीं गलती हुई होगी तो स्वीकार करूंगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दीर्घकालीन कदम - कॉर्पोरेट गवर्नेन्स के लिए उदय कोटक कमेटी द्वारा सुझाए गए सुझावों को लागू करूंगा।

इस तरह के अनुचित अनुबंधों से कम्पनी को दीर्घकाल में नुकसान ही होता है इसलिए आगे से पूरा ध्यान रखा जायेगा।

अनुबंधों के लिए एक मॉडल चार्टर बनाऊँगा ताकि भविष्य में ऐसा न हो।

अतः मैं कलाम साहब के इस ध्येय के साथ की अंतरात्मा की आवाज सबसे नैतिक मार्गदर्शक होती है का अनुकरण करते हुए कदम उठाऊँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are the Chairperson of Staff Selection Commission of a state. Recently, an exam for recruitment to the position of sub-inspectors was conducted by the Commission. But a video of some students using hi-tech devices like spy-mics, and placing "solvers" to cheat in the exam by hiding bluetooth devices in wig, has been surfacing on the internet. Also, this is not an isolated incident; many instances of organized cheating scandals have shocked the state in recent years. Students are agitated and demanding cancellation of the exam and there is pressure on you to resign. However, your daughter had also appeared in this exam and is confident of clearing it. There are many other students who had waited for this exam for a long time and are hopeful of clearing it with honest efforts. Whatever decision the Commission takes is bound to affect the career of a large number of candidates who appeared in the exam, including your own daughter.

(a) Highlight the ethical issues concerned in the case.

(b) Why is cheating in examinations prevalent in many states across India?

(c) What measures would you take to make sure that a similar situation does not arise in future? **(20)**

आप एक राज्य के कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हैं। हाल ही में, आयोग द्वारा सब-इंस्पेक्टर के पद पर भर्ती के लिए एक परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन कुछ छात्रों द्वारा स्पाई-माईक्रोफोन जैसे हाई-टेक उपकरणों का उपयोग करने और ब्लूटूथ डिवाइसों को विग में छिपाकर परीक्षा में "सोल्वर्स या फर्जी परीक्षार्थी" बैठाने का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आ रहा है। साथ ही, यह कोई अकेली घटना नहीं है; हाल के वर्षों में संगठित तरीके से नकलबाजी की घटना के कई उदाहरणों ने राज्य को भयाकुल कर दिया है। छात्र विरोध कर रहे हैं और परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं तथा आपके ऊपर इस्तीफा देने का दबाव है। हालांकि, आपकी बेटी भी इस परीक्षा में शामिल हुई थी और वो इसे पास करने के लिए आश्वस्त है। ऐसे कई अन्य छात्र हैं जिन्होंने लंबे समय से इस परीक्षा का इंतजार किया था और ईमानदार प्रयासों के साथ इसे पास करने की उम्मीद कर रहे हैं। आयोग जो भी निर्णय लेगा, वह आपकी अपनी बेटी सहित बड़ी संख्या में परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के करियर को प्रभावित करेगा।

(a) इस प्रकरण से संबंधित नैतिक मुद्दों को रेखांकित कीजिए।

(b) भारत भर के कई राज्यों में परीक्षाओं में नकल क्यों जारी है?

(c) भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

उपर्युक्त केस अध्ययन में परीक्षा प्रणाली में शामिल कमियों के माध्यम से सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं सार्वजनिक पद के कर्तव्यों की पालना जैसे मुद्दों को उठाया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) नैतिक मुद्दे

* निष्पक्ष जाँच / परीक्षा प्रणाली
* स्वच्छ प्रतिस्पर्धा एवं प्रणालीगत भ्रष्टाचार का मुद्दा
* संगठित नकलबाजी की समस्या बनाम समयबद्ध परीक्षा कराने की चुनौती
* सार्वजनिक कर्तव्यों की अनुपालना
* दबाव में कार्य करने की क्षमता

(b) नकल क्यों जारी है?

* राजनीतिक भ्रष्टाचार के कारण भर्ती प्रणालियों पर अत्यधिक दबाव है।
* भर्ती एवं चयन बोर्डों की सीमित स्वतंत्रता एवं शक्तियाँ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* लोक सेवा आयोगों (विभिन्न राज्यों के) के सदस्यों की नियुक्ति का राजनीतिकरण

* सरकारी नौकरी को अनावश्यक महत्व के कारण अंधी प्रतिस्पर्द्धा

* युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी एवं असंतोष 'उन्हें 'येन केन प्रकरेण' नौकरी पाने का प्रयास करना पड़ा।

* साक्षात्कार की निष्पक्षता का अभाव

* लाट साहब कल्चर एवं औपनिवेशिक मानसिकता के कारण सरकारी नौकरी को अधिक महत्व

* नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा का अभाव

* तकनीक का न्यूनतम प्रयोग, परम्परागत परीक्षा प्रणाली

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपाय

(*) राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा तकनीक का प्रयोग करते हुए कॉपियों की स्कैनिंग

(*) RPSC द्वारा RTI द्वारा अभ्यर्थी की कॉपी सार्वजनिक करने से पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता वहीं

(*) अधिकारी स्तर के अलावा अन्य भर्तियों में साक्षात्कार की समाप्ति

(*) UPPCS द्वारा मार्किंग प्रणाली को डिजिटल करने की पहल

(*) परीक्षा प्रणाली में पेपर की सुरक्षा एवं स्वतंत्र परीक्षा आयोजन करने के नवाचार

(*) राजस्थान सरकार के नकल रोकथाम अधिनियम - 2021 को अपनाना

(*) राज्य लोक सेवा आयोगों को स्वतंत्र रखना/ राजनीतिक नियुक्ति नहीं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त कदमों के अतिरिक्त शिक्षा में मूल्य आधारित परीक्षा प्रणाली को बनाया देना चाहिए तथा यह समझना होगा की सरकारी नौकरी से अधिक महत्वपूर्ण है निजी / स्वयंसेवी कार्य।

—— x ——

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Sunil has been posted as a DM in a hilly district which is vulnerable to several natural disasters. The district is known for a pilgrimage site and is frequently visited by tourists from all over India. The major occupation of locals therefore lies in the hospitality business. Unfortunately, after a few days of his joining, the district faced a major earthquake. It has led to high casualties and damages to the essential infrastructure such as roads and bridges. Both locals and tourists are trapped at different routes and locations. An international convoy of dignitaries from a neighboring country which has come to pay their obeisance at the pilgrimage site, is also trapped due to the disaster. Because of this, Sunil has to divert most of the available resources in the rescue operation of the foreign dignitaries. People are emotionally distressed due to the disaster, and delayed response from authorities to their needs has led to a law-and-order situation in the district. People from other states whose families are trapped and need immediate assistance are also getting restless and flooding the emergency helplines with complaints and requests.

(a) Discuss the issues being faced by Sunil in the given scenario.

(b) Mention a course of action that Sunil must take to maintain law-and-order as well as to expediate rescue operations of all concerned.

(20)

सुनील को अनेक प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्य एक पहाड़ी जिले में डी.एम. के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला एक तीर्थ स्थल के लिए प्रसिद्ध है और अक्सर यहां पूरे भारत के पर्यटकों द्वारा यात्रा की जाती है। इसलिए, स्थानीय लोगों का प्रमुख कारोबार आतिथ्य व्यवसाय से संबंधित है। दुर्भाग्य से, उसके पदस्थापित होने के कुछ दिनों के बाद, जिले को एक बड़े भूकंप का सामना करना पड़ा। इससे अनेक लोगों की मृत्यु तथा सड़कों और पुलों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों अलग-अलग मार्गों और स्थानों पर फंसे हुए हैं। तीर्थस्थल पर आए पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय काफिला भी आपदा के कारण फंस गया है। इस वजह से सुनील को अधिकांश उपलब्ध संसाधनों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव अभियान में लगाना है। आपदा के कारण लोग भावनात्मक रूप से व्यथित हैं और इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकारियों की विलंबित प्रतिक्रिया ने जिले में कानून-व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न कर दी है। अन्य राज्यों के लोग जिनके परिवार फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वे भी व्याकुल हो रहे हैं तथा आपातकालीन हेल्पलाइन पर शिकायतों और अनुरोधों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो गई है।

(a) दिए गए परिदृश्य में सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों के बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन आपदा प्रबन्धन में आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ एक लोकसेवक के धैर्य, मूल्यों एवं प्राथमिकताओं का भी अध्ययन प्रस्तुत करती है।

मुद्दे – ① विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को व्यापार या पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों की रक्षा (प्राथमिकता के चयन का द्वन्द्व)

② सीमित संसाधनों में कुशलता, प्रभावशीलता एवं गुणवत्ता के साथ कार्य करने की चुनौती।

③ प्राकृतिक आपदा एवं जिले में कानून व्यवस्था की दोहरी चुनौती का सामना करना

④ आपातकाल में लोगों से अनुनय करने एवं भावनात्मक प्रेरणा देने की चुनौती

⑤ दबाव में कार्य करने की चुनौती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्रवाई — सुनील को अपनी कार्रवाई दो स्तरों पर करनी चाहिए। पहली

निवारक कार्रवाई — (1) सबसे पहले सुनील को अपने उपलब्ध मानव संसाधन का पूरा ध्यान हो तथा जरूरत के अनुसार 'नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट Act 2005 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए निजी संसाधनों का प्रयोग करना चाहिए।

(2) बचाव दल को क्षेत्र के हिसाब से वर्गीकृत करना तथा एक दल को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव में लगाना शेष अन्य दलों को अधिक जोखिम एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर लगाना

(3) सूचना प्रसारण के साधनों का प्रयोग कर एक दल को चेतावनी दल के रूप में गठित करना तथा लोगों को इमारतों से दूर रहने, बिजली के तारों से दूर रहने जैसी सूचना का प्रसारण करवाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ राहत कार्य के दलों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए निजी अस्पतालों के साथ एंव एंबुलेंस का प्रयोग कर त्वरित चिकित्सकीय कार्यवाही करना।

④ मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दे राहत कार्य दल को कई दलों में बाँटना ताकि घायलों की चिकित्सा हो

⑤ जिला पुलिस अधीक्षक के साथ जिला पुलिस बल को जिले में कानून व्यवस्था बनाने के निर्देश देना तथा जिले में यातायात की आवाजाही को प्रबंधित करना तथा घायलों को ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण करना

⑥ मीडिया कर्मियों के साथ मिलकर भय एंव अफवाह के माहौल में सही सूचना का प्रसारण करना ताकि लोगों में भगदड़ न मचे।

प्रोत्साहक कार्रवाई

→ (i) घायलों को भोजन, पानी, चिकित्सा की निःशुल्क उपलब्धता

→ (ii) मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता की सिफारिश करना

→ (iii) भूकम्प के पश्चात पुनर्वास कार्य में नागरिक समाज, NGO की मदद से तेजी से आवसंरचना को सुचारु करना

→ (iv) महिलाओं, वृद्धजनों एवं बच्चों के पुनर्वास की व्यवस्था करना।

→ (v) विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को सुरक्षित बचाव कर उन्हें भारतीय विदेश मंत्रालय की सूचना से जोड़ना

अतः इस समस्या का समाधान सुनील को अपने प्रशासनिक कौशल एवं भावनात्मक बुद्धिमता द्वारा करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the Superintendent of Police (SP) in a district. One of your subordinates informs you that a girl has reached out to him and complained about a potential death threat to her and her boyfriend who belongs to another caste. Both the families are averse to their union. She has also informed that the local police station is neither filing any complaint nor giving her any assurance of protection. The girl belongs to the dominant caste of the region and her father is a prominent local leader of the party which is in power in the state. On further enquiry, you come to know that both the girl and her boyfriend are adults. They have moved out of the house and have started living together. This has further angered both the families and they are accusing each other of abduction. In the given scenario, answer the following questions:

(a) Bring out the ethical dilemma faced by the you.

(b) What would be a suitable course of action to resolve the issue?

(c) At times, such instances lead to violence and may end up in honour killings. Discuss the reasons behind their social acceptance in parts of India despite the legal sanction against them. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर तैनात हैं। आपके अधीनस्थों में से एक ने आपको सूचित किया है कि एक लड़की ने उसके पास संपर्क करते हुए उसे और उसके प्रेमी, जो दूसरी जाति से संबंधित है, को जान से मारने की धमकी के बारे में शिकायत की है। दोनों परिवार उनके साथ रहने के खिलाफ हैं। उसने यह भी बताया है कि स्थानीय थाना न तो कोई शिकायत दर्ज कर रहा है और न ही उसे सुरक्षा का कोई आश्वासन दे रहा है। वह लड़की उस क्षेत्र की प्रभावशाली जाति से संबंधित है और उसके पिता सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख स्थानीय नेता हैं। आगे की पूछताछ में, आपको पता चला है कि लड़की और उसका प्रेमी दोनों वयस्क हैं। वे घर से बाहर चले गए हैं और साथ रहने लगे हैं। इससे दोनों परिवारों में और अधिक नाराजगी उत्पन्न हो गई है और वे एक-दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा रहे हैं। दिये गये परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा को स्पष्ट कीजिए।

(b) इस समस्या के समाधान हेतु कार्रवाई का एक उपयुक्त तरीका क्या होगा?

(c) कभी-कभी, ऐसे उदाहरण हिंसा का कारण बनते हैं और ऑनर किलिंग में परिणित हो सकते हैं। इसके ख़िलाफ़ कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद, भारत के कुछ हिस्सों में इसकी सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारणों पर चर्चा कीजिए।

यह केस अध्ययन पारम्परिक रूढ़िवादी मूल्यों एंव आधुनिक मूल्यों (अंतर्जातीय विवाह) के टकराव से उत्पन्न नैतिक एंव कानूनी पक्षों को रेखांकित करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक दुविधाएँ

→ ① लड़की और उसके प्रेमी के मूल अधिकार (अनुच्छेद -21 Right to choose) एवं परिवारों के मूल्यों में टकराव।

→ ② स्थानीय पुलिस का असंवेदनशील एवं गैर-जिम्मेदाराना रवैया बनाम विधिक कर्तव्य

→ ③ ऑनर किलिंग जैसी सामाजिक रूढ़ि एवं अपराध बनाम आधुनिक मूल्य का टकराव

→ ④ भारत में 5% से भी कम अंतर्जातीय विवाह होते है (जाति आधारित भेदभाव का मुद्दा)

(b) समस्या के समाधान का उपयुक्त तरीका

→ (I) सर्वप्रथम लड़की की दर्ज रिपोर्ट को गंभीर मानते हुए मुद्दे की सत्यता की जाँच करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ (#) लड़का एवं लड़की से मिलकर यह पता लगाना की कहीं मामला सत्य में जोर-जबरदस्ती एवं अपहरण का तो नहीं

→ (#) स्थानीय पुलिस की गैर-जिम्मेदारी के लिए थाना इंचार्ज को लाइन हाजिर करने एवं जाँच कमेटी बिठाने का कदम उठाऊँगा। हालाँकि मैं व्यक्तिगत रूप से उनके पक्ष को सुनने का प्रयास करूँगा

→ (#) लड़के एवं लड़की की शिकायत पर उन्हें सुरक्षा प्रदान करूँगा।

→ (#) मैं व्यक्तिगत स्तर पर दोनों परिवारों से मुलाकात करूँगा और उन्हें इसे स्वीकार करने के लिए सामाजिक प्रभाव एवं अनुनय का सहारा लूँगा तथा उन्हें ज्योतिबा फुले, बाबा साहेब अम्बेडकर एवं गांधी जी के विचारों से समझाने का प्रयास करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

└ (#) लड़के एवं लड़की की सहमति एवं सुरक्षा के साथ उन्हें सामाजिक संगठन जैसे - आर्य समाज आदि का समर्थन हासिल करने में मदद करना।

└ (#) परिवार वालों को सहमत करना एवं उन्हें ऑनर किलिंग जैसी मध्यकालीन आपराधिक मानसिकता से बाहर लाना

└ (#) यदि मैं ऐसा करने में असफल होता हूँ तो परिवारों को कानूनी प्रावधानों का हवाला देकर ~~चुनौती~~ रोकने का प्रयास

└ (#) स्थानीय नेता से चर्चा कर उन्हें प्रगतिशील सोच रखने के लिए कहूँगा

└ (#) मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि दोनों परिवार कोई गैर कानूनी कदम न उठाएं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऑनर किलिंग के पीछे उत्तरदायी कारण

→ जातिगत भेदभाव - आज भी गाँवों में जाति आधारित अस्पृश्यता एवं उच्च-नीच की भावना है।

→ बेटी को 'पराया घर का धन' समझना

→ पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बेटी परिवार पर बोझ मानी जाती है।

→ महिलाओं को वस्तु मानना जो पिता पुत्र एवं पति की जिम्मेदारी है।

→ खाप पंचायतें एवं जातिवादी संगठनों का प्रभुत्व

→ शिक्षा एवं आधुनिक मूल्यों की कमी

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा बालिका शिक्षा जैसी पहल ऑनर किलिंग का स्थायी समाधान हो सकती है।